

सं. नं. प. म.
प्र. तारो. सं.
१

सादर और पदगणिकार का हस्ताक्षर

पदम पर हो गई कायदा
सं. नं. प. म. सं.
ता. सं. मा. सं.
३

अभिलेख उपस्थापित | वाद का वैधिक अवधि समाप्त हो चुका है | अग्र पक्षों में अभिलेखी का प्रभाव है | शांति मंग होने की सम्भावना प्रतीत नहीं होती है | अतएव लोक अदालत के माध्यम करवाई समाप्त की जाती है।

०९-०२-१९

S.P.M.